नवभारत
न्यायधानी
बिलासपुर, सोमवार, 24 अगस्त 2015

पेज -8
देश के विकास
में कास्ट...

देश के विकास में कास्ट एकाउन्टेंट का अहम् रोल

आईसीएआई के अध्यक्ष की पत्रवार्ता

बिलासपुर कार्यालय संवाददाता. देश के विकास में कॉस्ट एकाउन्टेंट का दायित्व बढ़ रहा है. श्रम उत्पादकता, मशीन उत्पादकता कृषि उत्पादकता बढ़ाने में कास्ट एकाउंटेन्ट का अहम् रोल है. हम गलतियां नहीं निकालते हैं बल्कि प्राफिट बढ़ाने के तरीके बताते हैं.

द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउन्टेन्ट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पीवी भट्टड़ पत्रकारों से चर्चा करते हुए यह बातें कहीं. उन्होंने कहा कि देश के औद्योगिक एवं आर्थिक क्षेत्र के विकास आईसीएआई की स्थापना संसद के विशेष एक्ट के जरिए 28 मई 1959 को की गई थी. यह संख्या कॉस्ट एवं मैनेजमेंट में विशेषज्ञता के लिए देश की एकमात्र सांविधिक संस्था है. संस्था द्वारा समस्त आर्थिक गतिविधियों में प्रबंधकीय नियंत्रण, वैज्ञानिक विधियों का समावेश, शोध एवं प्रकाशन के साथ-साथ देश के विभिन्न भागों में सेमिनार एवं कान्फ्रेन्स आदि का आयोजन जैसे संपादित कर रहे हैं. आईसीएआई ने प्रधानमंत्री द्वारा संकल्पित मेक इन इण्डिया अभियान के तहत् सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के मध्य प्रतिस्पर्धा विकसित करने तथा नए उद्यमी तैयार करने की दिशा में एसोचैम के साथ मिलकर देश के विकास

द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउन्टेन्ट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पीवी भट्टड़ चर्चा करते हुए.

का एक साझा मंच तैयार किया है. कॉस्ट मैनेजमेंट या लागत प्रबंधन में केवल लागत पर ध्यान ना देकर लागत की संपूर्ण योजना एवं प्रबंधन पर विचार किया जाता है. इसमें प्रक्रिया, सामग्री, उत्पाद डिजाइन, संचालन विधि जैसे कई अवयवों का निरीक्षण अपेक्षित है. जिसके समुचित समावेश से प्रबंधक, लाभ अर्जन को ध्यान में रखते हुए लागत पर विचार करती है. श्री भट्टड़ ने कहा कि कॉस्ट ➥ शेष @ pg 5 पर

कंपनियों के प्रमुख सीएमए

श्री भट्टड़ ने कॉस्ट मेनेजमेंट के बारे में बताया कि देश के अधिकांश कंपनियों के प्रमुख कॉस्ट एकाउंटेंट से हैं.

बेहतर भविष्य

एक सवाल के जवाब में श्री भट्टड़ ने बताया कि कॉस्ट एकाउंटेण्ट का भविष्य बेहतर है. आने वाले समय में इसकी डिमान्ड अधिक होगी.